

आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक अयोध्या तथा चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं  
प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर की समीक्षा बैठक सम्पन्न

विश्वविद्यालय समस्त स्टाफ, छात्रों तथा परिजनों का शत प्रतिशत टीकाकरण कराये

महिला अध्ययन केन्द्र ग्रामीण महिलाओं को स्वावलम्बी बनाये

विश्वविद्यालय ऑडिट आपत्तियों का नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण करें

कुलपति अपने अधिकारों को जानें तथा तदनुसार कार्य करें

कुलपति वित्तीय नियमों का भलीभांति अध्ययन करें—

कृषि विश्वविद्यालय आर्गेनिक खेती को बढ़ावा दे

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 21 जून, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन से आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या तथा चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय में शैक्षणिक स्टाफ की भर्ती, विश्वविद्यालयों में अकादमिक सत्र प्रारम्भ करने, ऑडिट आपत्तियों का निस्तारण, उपाधियों का समयबद्ध वितरण, महिला उत्थान की गतिविधियों, निर्माण कार्य आदि पर विस्तृत चर्चा की।

कुलाधिपति ने आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय की समीक्षा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में रिक्त शैक्षणिक पदों पर यथाशीघ्र भर्ती के लिये चयन प्रक्रिया हेतु निर्धारित मानकों के अनुसार विज्ञापन प्रकाशित कराये तथा प्रकाशित विज्ञापन में चयन प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी उल्लिखित हो। राज्यपाल जी ने रिक्त पदों पर स्पष्ट ब्यौरा उपलब्ध न करा पाने के कारण कड़ी नाराजगी जताई। राज्यपाल जी ने ऑडिट आपत्तियों पर चर्चा करते हुये उनके समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए तथा विश्वविद्यालय में लेखा कार्यों के लिये बनाये गये 130 खातों को कम करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा की अनुपयोगी खाते तत्काल बंद कर दिये जायें, अनिवार्य रूप से कैश बुक भरी जाये तथा बैलेंस सीट भी तैयार की जाये।

राज्यपाल जी ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर आने वाली है। इस समय 6 लाख वैक्सीन की उपलब्धता है 1 जुलाई से यह 10 लाख हो जायेगी इसलिये सभी को वैक्सीन लगवाने

के लिए विश्वविद्यालय प्रेरित करें। इसके साथ ही विश्वविद्यालय अपने समस्त स्टाफ, छात्र-छात्राओं तथा उनके अभिभावकों का शत प्रतिशत वैक्सीनेशन कराये।

कुलाधिपति ने चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर की समीक्षा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय आर्गेनिक खेती को बढ़ावा दे तथा विश्वविद्यालय दुग्धशाला की आय बढ़ाने के समुचित उपाय करें। कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को दिये गये एंडवास का समयबद्ध समायोजन न करने पर कड़ी नाराजगी जताई तथा निर्देश दिये कि यथा शीघ्र एंडवास दी गई धनराशि की वसूली की जाये जहां आवश्यक हो कर्मचारी के वेतन से कटौती कर ली जाये। उन्होंने कुलपति को निर्देश दिये कि वे वित्तीय नियमों का भलीभांति अध्ययन करे तथा वित्तीय अनियमितता करने वाले कार्मिकों पर कड़ी कार्यवाही करे।

राज्यपाल जी ने महिला उत्थान के कार्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए दोनों विश्वविद्यालयों को निर्देश दिए कि महिला उत्थान केंद्र औपचारिक केन्द्र बन कर न रह जाये। विश्वविद्यालय अपने क्षेत्र के झोपड़पट्टी, गांव या नगरीय क्षेत्रों में निवास करने वाली महिलाओं के महिला एवं बालिका समूहों को बनाकर उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान, आर्थिक स्वावलंबन तथा सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु प्रेरित करें। कुलाधिपति ने कहा कि हाल ही में हुए पंचायती चुनावों में बड़ी संख्या में महिला प्रधान चुनकर आयी है। उनमें से अधिकांश स्वयं सहायता समूह चला रही है ऐसी महिलाओं को विश्वविद्यालय कार्यक्रम बनाकर प्रशिक्षण दें ताकि ये महिलाये प्रदेश व केन्द्र सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं से परिचित हो सकें ऐसा करने से उनके अन्दर की झिझक कम होगी तथा सरकार की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी होने से वे इनका लाभ अपनी ग्रामसभा में लोगों को दिला पायेगी।

राज्यपाल जी ने कहा कि उचित होगा की विश्वविद्यालय विभिन्न समसामयिक विषयों पर जानकारी देने के लिये छात्राओं का समूह तैयार करे तथा उन्हें विभिन्न नारी निकेतन, अस्पताल, वृद्धआश्रम, बाल संरक्षण गृह आदि का भ्रमण कराये ताकि वे वहां के अनुभव से रूबरू हो सके तथा विश्वविद्यालय द्वारा किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में ग्रामीण महिलाओं के साथ अपने अनुभव बांट सकें।

बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता, विशेष कार्याधिकारी डा० पंकज जानी, विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

-----





6.

- कृषि विज्ञान केंद्रों में कार्यरत 80 प्रतिशत वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को टीकाकरण की पहली व 09 कार्मिकों को टीकाकरण किया गया।

- विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षको/कार्मिकों को 68 प्रतिशत को टीकाकरण का पहली डोज एवं 12 प्रतिशत को दूसरी डोज भी लगाई जा चुकी है।



4.

- अनूपपुर को भारत के प्रथम बायोकोर्टफाइड (जैवसंवर्धित) मीठ के रूप में अंगीकृत किया गया जिसमें अनूपपुर के प्राइमरी/जूनियर विद्यालय के गवन में महिला अयुधन केंद्र स्थापित किया गया है जिसके अन्तर्गत महिला सशक्तीकरण हेतु सिलाई, कढ़ाई, भोगवस्ती बनाना, आभार, मुख्वा तैयार करना, किचन गार्डन, गसरुम, डेयरी, कुक्कुर, फसल मूल्य संवर्धन आदि विषयों पर महिलाओं के लिए रोजगार परक कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।
- कृषक महिला सशक्तीकरण : खाद्य एवं पोषण सुरक्षा व ग्राम्य समृद्धि समोच्ची का आयोजन दिनांक 29 जनवरी 2021 को सम्पन्न हुआ जिसमें माननीया कुलाधिपति/राज्यपाल उ० प्र० महोदया, मुख्य अतिथि, कृषि मंत्री उ० प्र० श्री सुर्य प्रताप शाही जी एवं अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम में 13 जनपदों के 1500 से अधिक कृषक महिलाओं ने भाग लिया तथा माननीया कुलाधिपति महोदया द्वारा 10 सिलाई मशीनों को स्वरोजगार सृजन हेतु वितरित किया गया।



माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा आहूत समीक्षा बैठक का प्रस्तुतीकरण

आचार्य नरेंद्र देव  
अनूपपुर 31.1889-फरवरी 19.1956

डा० बिजेन्द्र सिंह  
कुलपति  
आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय  
कुमारगंज, अयोध्या (उ०प्र०)

आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय अयोध्या



आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय अयोध्या